भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 2814
उत्तर देने की तारीख : सोमवार, 21 मार्च, 2022
30 फाल्गुन, 1943 (शक)

यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल किए जाने हेतु स्मारक और मंदिर

2814. श्री पी.पी. चौधरी:
श्री कौशलेन्द्र कुमार:
श्री जगदम्बिका पाल:
श्री अर्जुन लाल मीणा:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उन मंदिरों का ब्यौरा क्या है जिन्हें यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल करने हेतु विचारणार्थ संभावित सूची में रखा गया है परंतु अंतिम सूची में शामिल नहीं किया गया है;
(ख) गत चार वर्षों में बिहार सहित राज्य-वार उन स्मारकों का ब्यौरा क्या है जिन्हें यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत सूची में शामिल करने हेतु विचारित किया गया है;
(ग): क्या सरकार ने राज्य-संरक्षित स्मारकों के विकास, संरक्षण और रखरखाव के लिए कोई योजना बनाई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ): क्या सरकार का बिहार में स्थित ऐतिहासिक महत्व की विरासतों के संबंध में कोई तुलनात्मक अध्ययन करने का विचार है ताकि उनका नाम यूनेस्को को प्रस्तावित किया जा सके; और
(ड.): यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त विरासतों के नाम क्या हैं?

उत्तर
संस्कृति, पर्यटन और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री
(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): सात (07) मंदिर अनंतिम सूची में हैं। ब्यौरा **अनुबंध-क** में दिया गया है।

(ख): ब्यौरा **अनुबंध-ख** में दिया गया है।

(ग): राज्य संरक्षित स्मारकों के विकास, संरक्षण और अनुरक्षण की ऐसी कोई योजना नहीं है। तथापि, राज्य सरकारों द्वारा जब कभी अनुरोध किया जाता है भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण सिविल निक्षेप कार्य के रूप में राज्य संरक्षित स्मारकों का संरक्षण संबंधी कार्य करता है।

(घ) और (ड.): राज्य सरकारों/मालिक/ धरोहर संपतियों के अभिरक्षकों द्वारा विश्व विरासत कन्वेंशन के प्रचालन दिशानिर्देशों के अनुसार संपत्तियों के उत्कृष्ट सार्वभौमिक महत्व, प्रामाणिकता और अखंडता के आधार पर यूनेस्को की अनंतिम सूची में शामिल करने के लिए प्रस्तावों को प्रस्तुत करना एक सतत् प्रक्रिया है। सरकार द्वारा प्राप्त सभी प्रस्तावों का उनके उत्कृष्ट सार्वभौमिक महत्व, मानदंडों के औचित्य, प्रामणिकता तथा अंखडता के विवरण और अन्य समान संपत्तियों से तुलना के आधार पर मूल्याकंन किया जाता है। मूल्यांकनों के आधार पर प्रस्तावों को यूनेस्को की अनंतिम सूची में शामिल करने के लिए विश्व विरासत केंद्र को भेजा जाता है।

अनुबंध-क

लोक सभा में दिनांक 21.03.2022 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न सं. 2814 के भाग (क) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध

अनंतिम सूची में शामिल मंदिरों का ब्यौरा

क्रम सं.	संपतियों के नाम	संपति का स्वरूप	स्थान/राज्य	शामिल किए जाने का वर्ष
1.	बिष्णुपुर स्थित मंदिर, पश्चिम बंगाल	सांस्कृतिक	पश्चिम बंगाल	1998
2.	नई दिल्ली स्थित बहाई पूजा घर	सांस्कृतिक	नई दिल्ली	2014
3.	इकमरा क्षेत्र – मंदिर शहर, भुबनेश्वर	सांस्कृतिक	ओडिशा	2014
4.	होयसाला के पवित्र एनसेंबल्स (2022-2023 के लिए भारत के नामांकन के रूप में भेजा गया)	सांस्कृतिक	कर्नाटक	2014
5.	श्री रगंनाथ स्वामी मंदिर, श्रीरंगम	सांस्कृतिक	तमिलनाडु	2014
6.	मंदिर वास्तुकला का विकास-एहोल - बादामी-पट्टडकल	सांस्कृतिक	कर्नाटक	2015
7.	कांचीपुरम के मंदिर	सांस्कृतिक	तमिलनाडु	2021

अनुबंध-ख

लोक सभा में दिनांक 21.03.2022 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न सं. 2814 के भाग (ख) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध

ऐसी धरोहर संपतियों की सूची जिन पर यूनेस्को द्वारा पिछले चार वर्षों में विश्व विरासत सूची में शामिल करने के लिए विचार किया गया

क्र. सं.	स्थल का नाम	राज्य	शामिल करने का वर्ष
1.	मुम्बई का विक्टोरियन और आर्ट डेको एनसेंबल	महाराष्ट्र सरकार	2018
2.	जयपुर शहर, राजस्थान	राजस्थान सरकार	2019
3.	धौलावीरा: एक हड़प्पन शहर	गुजरात	2021
4.	काकतिया रूद्रेश्वर(राम्मपा) मंदिर, तेलंगाना	नई दिल्ली	2021

*****